दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : /2022–23 दिनांक : 18.03.2023

प्रकाशनार्थ

आज दिनांक 18 /03/ 2023 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 'लघु-शोध एवं शोध परियोजना' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय के गोरखनाथ साहित्य केंद्र में किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ ज्योति बाला, सहायक आचार्य, शिक्षा संकाय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर रहीं। कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थियों को पूरे समय सीखने की प्रक्रिया में व्यस्त रखने वाली है। यह प्रक्रिया विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता का सर्वोत्कृष्ट विकास करने वाली है । इसी को ध्यान में रखते हुए हमारे परास्नातक पाठ्यक्रम में लघु-शोध एवं शोध परियोजना को स्थान दिया गया है। लघु-शोध कार्य से हमारे विद्यार्थी शोध के विभिन्न तरीकों को सीखते हैं। इसी प्रकार शोध परियोजना भी कम समय में सुनियोजित तरीके से कार्य को प्रोत्साहित करती है। शोध कार्य पूर्ण निष्ठा एवं नैतिक मूल्यों के साथ संपन्न करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो (डॉ) ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि वर्तमान शिक्षा-नीति विद्यार्थियों को प्रायोगिक बनाने पर जोर देती है । परास्नातक स्तर से ही शोध के विभिन्न आयामों जैसे परिकल्पना, न्यादर्श, साहित्य समीक्षा आदि से परिचित हो जाते हैं। शोध एक अति महत्वपूर्ण कार्य है जिसके लिए विशेषज्ञता एवं वैज्ञानिक चिंतन क्षमता की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य नियंता प्रोफेसर (डॉक्टर) धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि शोध में अनुशासन का अति महत्वपूर्ण स्थान है। विद्यार्थी अनुशासित रहते हुए ही बेहतर तरीके से शोध कार्य कर सकता है। कार्यशाला की प्रस्ताविकी एवं अतिथि स्वागत शिक्षाशास्त्र विभाग की प्रभारी श्रीमती निधि राय ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ त्रिभुवन मिश्रा तथा आभार ज्ञापन डॉ रुक्मिणी चौधरी ने किया। सरस्वती वंदना एम ए प्रथम वर्ष की छात्रा प्रीति गुप्ता ने तथा स्वागत गीत एम०ए०द्वितीय वर्ष की छात्रा आयुषी पांडे एवं प्रिया यादव ने प्रस्तुत किया। कार्यशाला में डॉ श्याम सिंह, डॉ अखंड प्रताप सिंह, डॉ विवेक शाही तथा अन्य शिक्षकों के साथ सभी विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

डॉ. शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क